भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दिनांक : 14.09.2020

ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर की दवा खोजी

आईआईटी बीएचयू

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

आईआईटी बीएचयू के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग ने ट्रिपल निगेटिव कैंसर की दवा खोजने का दावा किया है। इस घातक कैंसर का कारगर इलाज न होने से पीड़िता की जान बचाना कठिन होता था। डॉ. प्रदीप पाइक ने अपने शोधार्थियों की मदद से एक ऐसा नैनो कैप्सूल डेवलप किया है, जिसमें मौजूद दवा कैंसर प्रभावित कोशिका में पहुंचकर उसे मार देगी। दावा है कि नैनो मेडिसिन ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर की सेल को भेदने तथा प्रभावित कैंसर को खत्म करने की क्षमता रखती है।

प्रो. प्रदीप पाइक ने बताया कि ट्रिपल निगेटिव स्तन कैंसर महिलाओं की मृत्यु का बड़ा कारण है। ट्रिपल निगेटिव स्तन कैंसर की ज्यादातर मरीज 50 से कम उम्र की हैं। प्रो. पाइक का यह शोध अंतरराष्ट्रीय पत्रिका रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिकल में 13 जून को प्रमुखता से प्रकाशित हुआ। चूहों के बाद इस दवा का मानवों पर परीक्षण किया जाएगा।

दावा

- ट्रिपल निगेटिव कैंसर होने पर शेष बचता है 18 माह का जीवन
- बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग ने तैयार की नैनो मेडिसिन

ट्रिपल निगेटिव कैंसर की नैनो मेडिसिन मानवों पर क्लीनिकल ट्रायल के बाद बाजार में उपलब्ध हो पाएगी। कैंसर सेल को मारने की क्षमता वाली दवा कैंसर के उपचार में कारगर साबित होगी।

प्रो. प्रदीप पाइक, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बीएचयू

क्या है ट्रिपल नेगिटिव ब्रेस्ट कैंसर : कैंसर टेस्ट के दौरान अगर एस्ट्रोजेन, प्रोजेस्ट्रोन और प्रोटीन की रिपोर्ट नेगटिव आती है, तो इसे ट्रिपल-नेगिटिव ब्रेस्ट कैंसर कहते हैं। स्तन कैंसर को बढ़ाने वाले एस्ट्रोजेन रिसेप्टर, ह्यूमन ऐपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर-2 और प्रोजेस्टोरेन रिसेप्टर टीएनबीसी में मौजूद नहीं होते हैं। आम स्तन कैंसर के उपचार में इन्हीं तीनों रिसेप्टरों का इलाज किया जाता है।